

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING

Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak

REGISTRATION OPEN

Session 2026-27

AC HOSTEL Facility Available

P.B. B.Sc. NURSING

2 Years GNM Pass

GNM

3 Years 12th Any Stream

No Fees for S.C. Students

ANM

2 Years 12th Any Stream

No Fees for S.C. Students

B.Sc. NURSING

4 Year | 10+2 (Medical)

Loharu Road, Charkhi Dadri

M. 9812538777, 9034669933



तेज बारिश ने निकासी के दावों की खोली पोल, निचले इलाकों में जलभराव 24 घंटों में भिवानी में 80 एमएम पानी बरसा, 12 घंटे बाद हो पाई निकासी

हरिभूमि न्यूज » भिवानी

शनिवार तड़के तक 24 घंटों में भिवानी में 80 एमएम पानी बरस गया। तेज बारिश की वजह से प्रशासन की पानी निकासी व्यवस्था की पोल खुल गई। ढीले रवैये की वजह से शहर के ढलान वाले इलाकों में दो-दो फुट तक पानी जमा हो गया। हालांकि बारिश के दौरान ही पब्लिक हेल्थ विभाग ने सभी डिस्पोजल के पम्पसेट चला दिए, लेकिन दो से तीन डिस्पोजल पर बिजली न होने की वजह से जरनेटर से कुछ मोटर ही चल पाई। जिस वजह से प्रशासन को बारिश के पानी की निकासी में बारिश थमने के बाद करीब दस से 12 घंटे लग गए। यह पानी उन इलाकों में ही जमा रहा, जो शहर के ढलान वाले इलाके थे। दूसरी तरफ विधायक घनश्याम सराफ व जिला उपायुक्त

भिवानी। शहर में जमा बारिश के पानी से गुजरता व्यक्ति और बाजार में दुकानों के आगे जमा पानी।

फोटो : हरिभूमि

ने शहर के सभी डिस्पोजलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को पानी की निकासी में कोई ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए। एकदम इतनी ज्यादा बारिश होने के बाद अधिकांश शहर में जलभराव की स्थिति बन गई। सबसे बुरी स्थिति शिवनगर कॉलोनी, वैश्य स्कूल, एमसी कॉलोनी, कमला नगर के अलावा शहर के अनेक ढलान वाले इलाकों में एक से डेढ़

फुट तक बारिश का पानी जमा रहा। इनके अलावा पुलिस अधीक्षक आवास हांसी रोड पुल के पास भी बारिश के पानी से लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। यहां पर करीब दो से ढाई फुट तक बारिश का पानी जमा है। इतने ज्यादा पानी में दौपहिया वाहन बीच पानी में ही बंद हो रहे हैं। ज्यादा बारिश व अधिकारियों के तालमेल न होने की वजह से पानी निकासी में देरी हुई।

शहर के कई इलाकों में 20 घंटे बती रही गुल

शुक्रवार को शुरू हुई बारिश शनिवार को जारी रही। जिस वजह से कई इलाकों में दो से ढाई फुट तक बारिश का पानी जमा हो गया। मानान पाना में लगे बिजली के ट्रांसफार्मर के पास करीब तीन फुट तक बारिश का पानी जमा रहा। जिस वजह से निगम के अधिकारियों ने बिजली का कट लगा दिया। इन इलाकों में पिछले करीब 20 घंटों से बिजली की सपनाई ठप्प पड़ी है। हालांकि बारिश के पानी की निकासी में प्रशासन जुटा है, लेकिन शाम तक पानी की निकासी नहीं हो पाई थी। जिस वजह से बिजली की सपनाई चालू न होने की आशंका बनी हुई। फिलहाल शहर के शिवनगर, मानान पाना, मंडारी की कोठी, पुराना पटवारखाना, चुड़ड़ सिंह की बाजारी, जांड वाली गली, हरजीकान चौक इलाके में करीब 20 घंटे से बिजली नहीं है। उपभोक्ताओं ने बताया कि निगम के कम्पलेट नम्बर है। वे सभी बिजो बताए जा रहे हैं।

बवानीखेड़ा में गाड़िया लोहार बस्ती डूबी, दुकानों में घुसा पानी

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में शुक्रवार देर रात और शनिवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। तेज बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। गाड़िया लोहार बस्ती में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे, जहां बारिश का पानी भरने से कई वाहन डूब गए। आसपास की दुकानों में भी बरसाती पानी घुस गया, जिससे दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर की कई गलियां और सड़कें जलमग्न हो गईं तथा लोगों को घरों से बाहर निकलने में दिक्कत हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बारिश में जलभराव की समस्या पैदा होती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो रहा। नाणियों की सफाई और पानी निकासी के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से समस्या गंभीर हो जाती है। लोगों ने प्रशासन और नगर पालिका से स्थायी समाधान की मांग की है। वीर कहेते हैं चैयरमैन: नया प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि शहर में कई नालों का निर्माण चल रहा है। जल्द ही सीवरज व्यवस्था में भी सुधार किया जाएगा। इससे जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।

पानी में गाड़ी खड़ीकर फ्यूज लगाए

बवानीखेड़ा में शुक्रवार व शनिवार को क्षेत्र में हुई तेज बारिश के दौरान बिजली व्यवस्था भी प्रभावित रही। कई स्थानों पर बिजली के पोलों पर धमाके होने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई, वहीं कुछ ट्रांसफार्मरों के फ्यूज उड़ने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बारिश के बीच बिजली निगम के कर्मचारियों ने मोर्चा संभालते हुए प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर व्यवस्था को दुरुस्त किया। कई स्थानों पर जलभराव इतना अधिक था कि बिजली कर्मचारियों को पानी के बीच ही अपना वाहन खड़ा करना पड़ा। इसके बावजूद कर्मचारियों ने बारिश की परवाह किए बिना मौके पर पहुंचकर फाल्ट को तलाश और आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू किया। कर्मचारियों की तत्परता से कई इलाकों में बिजली आपूर्ति को दोबारा सुचारु किया गया।

शहीद दलबीर सिंह मॉडल संस्कृति स्कूल जलमग्न, लैब-रिकॉर्ड रूम में भरा पानी

चरखी दादरी। दो दिन से हो रही तेज बारिश के चलते सरदार झाड़ू सिंह चौक स्थित शहीद दलबीर सिंह मॉडल संस्कृति स्कूल में जलभराव हो गया। स्कूल परिसर के अलावा भूगोल व कैमिस्ट्री लैब, रिकॉर्ड रूम और मिड-डे-मिल कक्ष में घुटनों तक पानी भर गया। इससे फर्नीचर, रिकॉर्ड, प्रयोगशाला उपकरण और शैक्षणिक सामग्री प्रभावित हुई। शुक्रवार सुबह आठ बजे से शनिवार सुबह आठ बजे तक दादरी में 127 एमएम, बादड़ा में 44 एमएम और बौंद में 43 एमएम बारिश दर्ज की गई। स्टाफ ने जरूरी रिकॉर्ड व उपकरण सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए। कुछ दिन पहले निचली मंजिल में स्थानांतरित की गई लैब का सामान भी पानी से प्रभावित हुआ, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है।

लोहारू में 30 एमएम बरसात, एनएच 709 पर जलभराव से लोग परेशान

■ शहर के लोगों ने की वाटर रिचार्जेशन सपोर्ट बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज » लोहारू

लोहारू और आसपास के इलाके में पिछले दो दिनों से रुक रुककर हो रही बरसात ने जहां खेतों में बाजरा, कपास, मूंग आदि फसलों को संजीवनी प्रदान की वहीं दूसरी ओर शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 709 ई पर बरसाती पानी जमा होने से वाहन चालकों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ा। वहीं शहर के लोगों ने प्रशासन से जलभराव वाले स्थानों पर

वाटर रिचार्जेशन सिस्टम लगाए जाने की मांग की है ताकि बरसाती पानी का बेहतर ढंग से निस्तारण हो सके। शनिवार को लगभग 30 एमएम बरसात दर्ज की गई। बता दें कि पिछले दो दिनों से लोहारू और आसपास के इलाके में रुक रुक कर झमाझम बरसात हो रही

है। बीती देर रात भी शहर सहित इलाके में जमकर बरसात हुई। किसानों का कहना है कि यह बरसात बाजरा, मूंग, कपास आदि फसलों के लिए वरदान साबित होगी। उधर शहर में यह बरसात निचले इलाके में रहने वाले लोगों के लिए आफत बन गई। शहर के चुंगी नंबर सात से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर तालाब जैसी स्थिति बन गई और वहां से गुजरने वाले वाहनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों ने कहा कि बरसात के दिनों में चुंगी नंबर सात के क्षेत्र में एक दिन की बरसात से ही तालाब जैसी हालात हो जाते हैं।

चरखी दादरी में दो दिनों में 130 एमएम से अधिक पानी बरसा शहर में कई जगह सड़कों पर दो-तीन फीट पानी भरा

हरिभूमि न्यूज » चरखी दादरी

दादरी शहर में लगातार दो दिन हुई भारी बारिश ने पानी निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। दो दिनों में 130 एमएम से अधिक बारिश के बाद शहर के अधिकांश हिस्सों में जलभराव हो गया। कई सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी जमा रहा। घरों और दुकानों में पानी घुसने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर सवाल उठाए हैं। बारिश रुकने के काफी देर बाद तक भगवान परशुराम चौक, रोहतक रोड, रेलवे रोड, मेन बाजार, तहसील रोड, चंपापुरी, रविदास नगर, झज्जर घाटी और एमसी कॉलोनी में पानी जमा रहा। जलभराव के कारण कई वाहन रास्ते में बंद हो गए और पैदल राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

एमसी कॉलोनी में घरों में घुसा पानी

एमसी कॉलोनी में जलभराव से हालात सबसे खराब रहे। पानी घरों के अंदर पहुंचने से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा। कॉलोनी वासियों ने कहा कि हर साल बारिश के दौरान इसी तरह के हालात पैदा होते हैं, फिर भी स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। स्थानीय मेन बाजार, रेलवे रोड और रोहतक रोड आदि क्षेत्रों में अनेक दुकानों में पानी भरने से व्यापार प्रभावित हुआ। दुकानदारों को सामान सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा। कई दुकानों में रखा सामान पानी से खराब हो गया।

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

AN AUTONOMOUS INSTITUTE

GRADED 'A' BY NAAC | NBA ACCREDITED PROGRAMS

Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak | Recognized u/s 2(f) of UGC Act, 1956

JHAJJAR (DELHI-NCR)

NAAC A GRADE

NBA

RANKED #16

RANKED #38

RANKED #39

RANKED #46

Industry Oriented Curriculum

Degree Conferred by MDU, Rohtak

ADMISSIONS OPEN 2026-27

B.TECH B.TECH (LEET)

Fire Technology and Safety CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS) ECE, Electrical Civil, Mechanical

OTHER UG & PG COURSES

M.TECH | MBA | BBA | MCA BCA | M.ARCH | B.ARCH M.PLAN | M.ED | B.ED

COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (in Flexible Timings)

B.TECH Fire Tech., & Safety / CSE/ Electrical/Civil M.TECH CSE/ Structural Design MBA | MCA

Ganga Centre for Skill and Entrepreneurship Development (An Industry inside the Institute)

Technology Providers

Mastercam, SOLIDWORK, ptc, Ansys

3-D Printer, CNC Machines, Pneumatic Trainer, Robotic Arm, AR/VR Lab, IIOT Lab

GANGA GROUP OF INSTITUTIONS

Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU

GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)

9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com

GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)

8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com

For Admission Enquiry: 8684000891 / 892 / 893 / 9654292946 | www.gangainstitute.com

Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi | +91-9654292902, 03, 04

श्री मति किरण चौधरी

(पूर्व सांसद, सचय समिति)

श्री मति श्रुति चौधरी

राष्ट्रिय एवं लोक विकास

सिंहवाडी व जल संसाधन मंत्री, हरियाणा सरकार

नंदकिशोर अग्रवाल

नरेशमीनू अग्रवाल

भिवानी आगमन पर

डॉ. अर्चना गुप्ता जी

प्रदेश अध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा

आपका

हार्दिक स्वागत

एवं अभिनंदन।

डॉ. अर्चना गुप्ता जी

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

- 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो
- गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्तों में बढ़ाएं निवेश
- इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक के लिए बाजार की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कीमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।



ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 15,000 इक्विटी/फ्लेक्सी-कैप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या इंडेक्स फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी गलती हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

►1. घबराकर सारे शेयर न बेचें : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।

►2. एसआईपी बंद न करें : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।

►3. कर्ज लेकर निवेश न करें : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कर्ज की लागत निश्चित होती है।

►4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।

►5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

नौचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती है और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की फीस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इसमें अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

ऐसे समझें गणित

►अगर कोई निवेशक 10,000 हर महीने 10 साल तक निवेश करता है तो उसकी कुल जमा राशि 12 लाख होगी।

मान लें औसत वार्षिक रिटर्न

- 8% रहा तो करीब 18.3 लाख
- 10% रहा तो करीब 20.7 लाख
- 12% रहा तो करीब 23.2 लाख
- 15% रहा तो करीब 27.9 लाख

►यह केवल अनुमानित उदाहरण है। म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक परिणाम बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करेंगे।

लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अचढ़ी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'सही समय का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पुंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल: जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधें

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय की निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।



पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

- पुराना कार्ड बंद करने पर क्रेडिट हिस्ट्री व क्रेडिट यूटिलाइजेशन पर असर
- सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल पर सीधा प्रभाव नहीं

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। क्योंकि ये खाते सामान्य तौर पर क्रेडिट ब्यूरो की क्रेडिट रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होते। वहीं, पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करने से आपके क्रेडिट प्रोफाइल में बदलाव आ सकता है। इसका असर हर व्यक्ति पर अलग हो सकता है और यह उसके कुल क्रेडिट इतिहास, बकाया राशि और उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर निर्भर करता है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

कार्ड बंद करने से पहले करें ये काम

- 1. सभी बकाया चुकाएं : कार्ड बंद करने से पहले कोई बकाया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- 2. सबसे पुराने कार्ड को चुनते बंद न करें : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- 3. क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचेगी, यह जरूर देखें।
- 4. ऑटो पेमेंट बंद करें : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑटो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- 5. क्लोजर की पुष्टि लें : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से क्लोजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। अगर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

बैंक खाता बंद करने से सिबिल पर सीधा असर नहीं सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश? जानिये क्या है आपके लिए बेहतर

बिजनेस डेस्क जानकारी

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, प्रीयर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए, हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है- मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकाया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा



सकता। होम लोन की ब्याज दर आपको निश्चित लागत है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होता। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर

देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे पर्याप्त लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए पहले कम से कम 6 से 12 महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड तैयार रखना बेहतर है। इसके बाद बची रकम को प्रीपेमेंट और निवेश के बीच बांटने पर विचार किया जा सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन

शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सार्वभौमिक जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में है, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी निवेश अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। मायकाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बड़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाए 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव

बिजनेस डेस्क

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बड़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाए 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-

अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है। पलेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड ने पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टाटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों,

सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है।

सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेलथ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। निज फंड मैनेजर्स ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला के मुताबिक पिछले एक

साल में बाजार ने ऐसे फंड मैनेजर्स को पुरस्कृत किया, जिन्होंने सही शेयरों का चुनाव किया। उनके अनुसार डिफेंस, डेटा सेंटर, प्रीमियम कंजमप्शन और सेविंग्स के फाइनैशियलाइजेशन से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला। इसके विपरीत प्रॉपर्टी बैंक और पारंपरिक आईटी कंपनियों में अधिक निवेश रखने वाले कुछ पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहे। इसका कारण इन सेक्टरों का बाजार में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा।

केवल पिछले रिटर्न के आधार पर न करें निवेश

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को किसी फंड का चुनाव करते समय केवल पिछले एक या दो साल के रिटर्न की आधार नहीं बनाना चाहिए। किसी एक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड जरूरी नहीं कि आने वाले वर्षों में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करे। निवेशक को यह समझना चाहिए कि फंड मैनेजर किस तरह की निवेश

रणनीति अपनाता है। इसके साथ ही अलग-अलग मार्केट साइकिल में फंड का प्रदर्शन कैसा रहा है, पोर्टफोलियो किस तरह तैयार किया गया है और उसमें जोखिम का स्तर कितना है, इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए।

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

कृष्ण म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना है कि एक साल में अलग-अलग नकीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियां अव्वल प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन फंड की पूरी तस्वीर नहीं बताता। केडी कैपिटल के सर्टिफाइड फाइनैशियल प्लानर के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा और सभ्य के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।



लोहारू। चौ बंसीलाल कॉलेज में पौधरोपण करते डॉ सुखबीर सिंह और स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

डॉ. सुखवीर सिंह ने कॉलेज परिसर में किया पौधरोपण

लोहारू। चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय के प्रो. डॉ. सुखबीर सिंह के नेतृत्व में स्थानीय कॉलेज परिसर में फलदार और छायादार पौधे लगाए गए और युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग होने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ दलजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के तहत डॉ सुखबीर सिंह ने बताया कि उन्होंने महाविद्यालय में 19 वर्ष की सेवाएं पूर्ण कर ली है तथा इसी उपलब्ध में वे प्रतिवर्ष पौधरोपण करते हैं। डॉ सुखबीर सिंह द्वारा जामुन, अमरूद एवं बेलपरफ की पौधे महाविद्यालय को उपलब्ध कराए गए। प्राचार्य डॉ. दलजीत सिंह ने कहा कि जीवन के खास मौकों पर पौधरोपण करना सराहनीय कार्य है। युवाओं को ऐसे कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश चहल, डॉ. बजरंग, डॉ. उमेश सिंह, अनिरुद्ध पुनिया, मोहन एवं सुरेंद्र माली और अनिल एल.ए., योगेश, आदेश झाँझड़ा आदि मौजूद रहे।



नशामुक्त युवा-विकसित भारत अभियान को लेकर कॉलेज में करवाई प्रतियोगिता

बाढ़ड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय, बाढ़ड़ा में शनिवार को नशामुक्त युवा-विकसित भारत अभियान के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशादुक्त समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करना रहा। छात्राओं ने पोस्टरों के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। साथ ही नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। प्राचार्य डॉ. अनिल ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की और कहा कि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सकरात्मक भूमिका निगानी चाहिए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एटी-ड्रक्स अवेयरनेस नोडल अधिकारी डॉ. मीना, प्रमारी आनंद तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मीना का योगदान रहा।

राजस्थान जा रहे कांविड़ियों का बाढ़ड़ा में किया स्वागत

बाढ़ड़ा। हरिद्वार से गंगाजल लेकर राजस्थान जा रहे कांविड़ियों का सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों का बाढ़ड़ा में भव्य स्वागत किया। कस्बे के ग्राम पंचायत, व्यापार मंडल व अन्य सामाजिक संगठनों ने शिवभक्तों के लिए विशेष शिविर संचालित किया है, जिसमें प्रतिदिन जत्थों में कांविड़िए पहुंच रहे हैं। सरपंच प्रतिनिधि राजेश शंयोरण, व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुंदरपाल, पूर्व अध्यक्ष संदीप सिंटी, मास्टर बजरंग सिंटी, नवीन, सुरेन्द्र सिंह, प्रवीण आदि शिवभक्तों ने शिविर में पहुंचने पर उनका स्वागत किया। 10 अगस्त रात्रि को बालाजी मंदिर में भव्य भजन सत्संग व 12 अगस्त को भंडारा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गुरु हरिकृष्ण साहिब का प्रकाश पर्व

मिवांनी। गुरुद्वारा पुरानी देवसर चुंगी में श्रीहरिकृष्ण ध्याइए, जिसे छिटे सब दुःख जाए के पावन संदेश के साथ आठवें गुरु श्रीहरिकृष्ण साहिब का प्रकाश पर्व श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में संगत ने श्रीगुरुसाथ साहिब के चरणों में शीश नवाकर सुख-शांति की अरदास की। समागम गुरुद्वारा साहिब में संगत ने की श्रीगुरुसाथ साहिब के चरणों में शीश नवाकर सुख-शांति की अरदास की। इस दौरान श्रीसुखमोहि साहिब के पाठ का ओंग डाला। इसके बाद भाई गुरुबचन सिंह ने गुरुबाणी शब्द-कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया। उन्होंने गुरु श्रीहरिकृष्ण साहिब के जीवन, मानवता की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए उनके द्वारा किए कार्यों पर प्रकाश डाला। गुरु श्रीहरिकृष्ण साहिब को उनकी मानव सेवा एवं रोगियों की सेवा के लिए विशेष रूप से याद किया जाता है। सिख परंपरा में उन्हें करुणा, सेवा और परोपकार की मिसाल माना जाता है। दिल्ली में चेचक और हेजे जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों की सेवा करने के कारण उनके जीवन से जुड़ी स्मृति विशेष रूप से श्रद्धा का केंद्र है। अंत में अरदास की ओर संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर बरसाया और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधान प्रेम मुत्तेरजा, बलदेव सिंह, ह्यानी प्रेमसिंह, गुलशन चावला, रमन गावड़ी, सुदेश सिंह, विशाल मुत्तेरजा, जितन, गगनीश चावला, दयासिंह, विजय सनेजा, बलविंदर सिंह मिट्ट, कर्नल सिंह बागड़ी, गुरशरण सिंह, महेंद्र सिंह, खरेतीलाल बत्रा, नवदीप कोर व पूजा आदि उपस्थित रहे।



मिवांनी। पुरानी देवसर चुंगी गुरुद्वारा में गुरु श्रीहरिकृष्ण साहिब के प्रकाश पर्व पर उपस्थित सिख समुदाय के लोग। फोटो : हरिभूमि

जिला परिषद की बैठक में कई मुद्दों पर हुआ विचार-विमर्श देवराला अस्पताल व खावा आंगनबाड़ी भवन निर्माण के प्रस्ताव को मिली मंजूरी



मिवांनी। जप की आयोजित बैठक में उपस्थित एडीसी व जप चेरपरसन अनिता मलिक।

फोटो : हरिभूमि

उठाया। पार्षद नरेंद्र चौहान ने ध्यानाकर्षण कराया कि देवराला स्थिति सिविल अस्पताल का भवन पिछले 3 वर्षों से कंडम घोषित है। इसके बावजूद इसे ध्वस्त करने और नया भवन बनाने का टेंडर जारी नहीं हो पा रहा था, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खावा गांव में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र का

काम लंबे समय से अधूरा पड़ा होने की शिकायत दर्ज कराई गई। चेरपरसन अनिता मलिक ने देवराला अस्पताल के जर्जर भवन को तुड़ाकर नया अस्पताल भवन बनाने के मुद्दे पर तुरंत कड़ा संज्ञान लिया। उपस्थित सभी जिला पार्षदों ने इस प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से अपनी सहमति जताई, जिसके बाद बैठक में इसे औपचारिक रूप से पास कर दिया गया। वहीं, सीईओ

दीपक बाबूलाल कर्वां ने खावा गांव की आंगनबाड़ी के अधूरे पड़े निर्माण कार्य को बिना किसी देरी के जल्द से जल्द पूरा करवाने का आश्वासन दिया। शनिवार को हाउस की बैठक में सभी पार्षदों की सहमति से इसे गिराकर आधुनिक नया भवन बनाने का प्रस्ताव पास कर दिया गया है। इसके अलावा खावा गांव की आंगनबाड़ी का काम भी जल्द पूरा

ग्रामीण अंचलों में जनसुविधाओं का विस्तार करना मुख्य उद्देश्य

पत्रकारों से बातचीत करते हुए जिला परिषद चेरपरसन अनिता मलिक ने कहा कि जिला परिषद का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में जनसुविधाओं का विस्तार करना और लोगों की लंबित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना है। देवराला का सिविल अस्पताल पिछले तीन सालों से कंडम घोषित था, लेकिन इसके निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठ पा रहा था।

कराया जाएगा। जिला प्रशासन और जिला परिषद मिलकर मिवांनी के हर गांव तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक में विभिन्न वार्डों के जिला पार्षदों सहित पंचायती राज एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में जिले के विकास कार्यों को गति देने का संकल्प लिया।

छात्राओं ने प्रतियोगिता में जीते चार पदक भूमिका और नव्या का नेशनल में चयन

मिवांनी। कॉमनवेल्थ में बेटियों की स्पर्धिमा सफलता के बाद स्कुली छात्राएं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इसी कड़ी में पंडित सीताराम शास्त्री गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कुल की छात्राओं ने जुड़ो और कुराश प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और पूरे जिले का नाम गर्व से ऊंचा किया है। रोहतक के मोहन रोड स्थित स्कुल में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पंडित सीताराम शास्त्री स्कुल की चार छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीते। पदक विजेता छात्राओं का विद्यालय प्रांगण पहुंचने पर उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। प्राचार्य सोनिया कौशिक ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने अलग-अलग भारवर्ग और आयुवर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस दौरान भूमिका पंचार ने 40 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। भूमिका का चयन पंजाब के लुधियाना में होने वाली आगामी नेशनल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वहीं नव्या ने 36 किलोग्राम में रजत पदक हासिल किया। नव्या ने भी लुधियाना में होने वाली नेशनल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है।



पीने के पानी के सदुपयोग और बर्बादी को रोकने के लिए हसान में दिलाई शपथ

तोशाम। शनिवार को गांव हसान के पंचायत घर में सरपंच विनोद कुमारी की अध्यक्षता में ग्राम सभा आयोजित की गई। जिसमें जन-स्वास्थ्य अभियानिकी विभाग तोशाम के कार्यकारी अभियंता विकास धनखड़ के दिशा-निर्देशानुसार उप मंडल अभियंता विक्रम सिंह पुनिया व कनिष्ठ अभियंता योगेन्द्र जाखड़ के मार्गदर्शन में जल घर हसान में कार्यरत सदीप गौड़ ने ग्रामीणों को पीने के पानी के सदुपयोग और बर्बादी को रोकने के लिए जागरूक कर जल संरक्षण की शपथ दिलाई। और अपने -अपने नलों पर टैपटी लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति पीने के पानी की बर्बादी करता है वह गांव का सबसे बड़ा अपराधी है। क्योंकि खून के बाद पानी एक ऐसा तत्व है जिसे हम किसी भी मशीन से नहीं बना सकते हैं केवल हम बचा सकते हैं। पानी के महत्व को समझें बिना इसके बर्बादी कर रहे हैं। इस अवसर पर सचिव सचिन तंवर, जयमंगलान तक्षक, पूनम वीआरपी, सुरजीत वीआरपी, जगदीश फौजी, प्रवेन्द्र, विनोद कुमार, मनवीर, बाला देवी, मीना कुमारी, संतोष, शोनी, अजीत, जयसिंह, रविन कुमार, कृष्ण, रोहताश, रामकुमार, लक्ष्मीराम, भूप सिंह, सज्जान कुमार, मंगेराम आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

इंटर स्कूल डांस कम्पीटिशन आज

मिवांनी। प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन 9 अगस्त को जनसेवा विद्या विहार में वार्षिक इंटर स्कूल डांस कम्पीटिशन का आयोजन करेगा। कम्पीटिशन सुबह 11 बजे शुरू होगा। प्राइवेट स्कूल्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रामभवतार शर्मा ने बताया कि कम्पीटिशन में मिवांनी जिले के सभी मुख्य प्राइवेट स्कूलों की टीमें भाग लेंगी। उद्घाटन समारोह के बतौर मुख्यअतिथि मिवांनी विधानसभा से विधायक निगम हरियाणा की चेरपरसन सुनीता दांगी करेंगी। कंपीटिशन के समापन समारोह में मिवांनी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मवीर सिंह बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करेंगे।

विद्यालय में पढ़ाई के साथ मिलता है हरियाली का सुखद अहसास

विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ बताया कि उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ हरियाली का सुखद अहसास भी मिलता है। पौधों और फूलों के बीच पढ़ाई करने से मन प्रसन्न रहता है तथा प्रकृति से जुड़ाव बढ़ता है। उनका कहना है कि विद्यालय का यह वातावरण उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझने और उसे सुरक्षित रखने की प्रेरणा देता है। विद्यालय परिवार का मानना है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो सीमित संसाधनों में भी बड़े और प्रेरणादायी कार्य किए जा सकते हैं।



बवानीखेड़ा। राकपा पाठशाला में गमलों में लगाए गए पौधे व साथ में विद्यालय परिवार के सदस्य।

मिलकर गमलों का सुंदर बगीचा तैयार करने का निर्णय लिया। निरंतर देखभाल और मेहनत का परिणाम है कि आज विद्यालय रंग-बिरंगे फूलों और विभिन्न प्रजातियों के पौधों से सुसज्जित दिखाई देता है। इससे न केवल विद्यालय की सुंदरता बढ़ी है, बल्कि विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ, हराभरा और सकरात्मक शिक्षण वातावरण भी तैयार हुआ है। विद्यालय स्टाफ ने बताया कि इस कार्य में समय-समय पर खंड शिक्षा अधिकारी

सत्येंद्र सिंह, सीआरसी दिनेश कुमार, डीडीओ आनंद कुमार तथा एबीआरसी राजकुमारी का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन लगातार मिलता रहा, जिससे विद्यालय परिवार को इस पहल को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली। विद्यालय में लगे पौधे केवल सौंदर्य बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का व्यावहारिक पाठ भी पढ़ा रहे हैं। शिक्षक नियमित रूप से पौधों की देखभाल करते हैं।

सत्संग

भारी वर्षा के बीच भी श्रद्धा और अनुशासन के साथ सत्संग में जुटी साध संगत

परमात्मा की रचना में त्रुटि नहीं, मनुष्य की सोच सीमित हो सकती है

परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

हरिभूमि न्यूज ►► मिवांनी

परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने बरवाला में आयोजित सत्संग में साध संगत को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा की सोच और उसकी रचना में सृष्टि के दाने जितना भी अंतर नहीं होता, जबकि मनुष्य की सोच स्वाध, मोह और सीमित दृष्टि से प्रभावित हो सकती है। इसलिए मनुष्य को अपनी सोच के अनुसार परमात्मा की व्यवस्था को परखने के बजाय उसकी रजा को स्वीकार करते हुए जीवन में सदैव आशावादी दृष्टिकोण रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत में यह संकल्प लिया था कि वे युद्ध में हथियार नहीं उठाएंगे, लेकिन धर्म की स्थापना और भक्त के हित में उन्हें अपना संकल्प तक बदलना पड़ा। इससे

पता चलता है कि परमात्मा अपने भक्तों के हित के लिए अपनी मर्यादाएं भी बदल सकता है। सैन भगत के लिए राजा की मालिश करना, धन्या भगत के खेत को निपजाना और भक्त नामदेव की छान छपाई करना जैसे प्रसंग परमात्मा की भक्त वत्सलता के प्रमाण हैं। परमात्मा अपने भक्त की भावना देखता है और उसके कल्याण के लिए हर संभव सहायता करता है।

परमसंत हुजूर ने कहा कि तप, त्याग और साधना जीवन की तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं, लेकिन तीनों की अपनी-अपनी मर्यादाएं हैं। जो व्यक्ति मर्यादा में रहकर तप, त्याग और साधना करता है, उसकी आध्यात्मिक उन्नति होती है। उन्होंने कहा कि कलियुग में संवेदनाएं समाप्त होती जा रही हैं और मर्यादाएं लगातार घट रही हैं।

ऐसे समय में जीव के कल्याण की भावना लेकर परमात्मा संतों के रूप में देह धारण करता है। इसलिए संतों का संग और सत्संग मनुष्य के



मिवांनी। आयोजित सत्संग में प्रवचन करते संत कंवर साहेब।

फोटो : हरिभूमि

जीवन को सही दिशा देने वाला है। गुरु महाराज ने कहा कि जो जन्मा है, उसकी मृत्यु निश्चित है। यह शाश्वत सत्य है, फिर भी मनुष्य धन, यौवन, पद, प्रतिष्ठा और विषय-विकारों के कारण अभिमान में डूबा रहता है।

उन्होंने कहा कि वास्तविक कल्याण संतों के सत्संग से होगा, क्योंकि संतों का संग मनुष्य के भीतर परमात्मा के प्रति प्रीत और प्रेम को बढ़ाता है। उन्होंने आत्म-पिता की

सेवा को भक्ति का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि जीवन में परमात्मा ने हर इंसान को माता-पिता दिए हैं। माता-पिता की सेवा किए बिना भक्ति कमाना तो दूर, मनुष्य भक्ति को खू भी नहीं सकता। माता-पिता का सम्मान और सेवा केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आध्यात्मिक कर्तव्य भी है। हुजूर ने कहा कि धर्म का दिंदोरा पीटने वाले बहुत हैं, लेकिन धर्म की पालना करने वाले कम हैं।

न्यूज डायरी



जेल भरो आंदोलन को लेकर किया मंथन

बाढ़ड़ा। 10 अगस्त की राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन की तैयारियों को लेकर शनिवार को अनाज मंडी में सीटू संबंधित यूनियनों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सफाई कर्मचारी नेता सुरेश कुमार जेवेली ने की। इस दौरान मजदूरों, किसानों और कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आंदोलन में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। सीटू जिला सहसंयोजक सुमेर सिंह ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर-किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये प्रतिमाह लागू करने, सभी स्कॉम वर्कर्स व कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने तथा पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग उठाई। वक्ताओं ने निर्माण मजदूरों के रद्द किए गए पंजीकरण बहाल करने, श्रम पौलट की सुचारु करने और मनरेगा में 200 दिन काम व 800 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने की मांग की।



रामा साड़ी पैलेस पर उमड़ रही भीड़

मिवांनी। शहर के प्रतिष्ठित वस्त्र प्रतिष्ठान रामा साड़ी पैलेस में आयोजित स्टॉक वलीयरस सेल को बाहकों का भरपूर प्रतिसाद मिल रहा है। सेल शुरू होने के साथ ही बड़ी संख्या में बाहक खरीदारों के लिए पहुंच रहे हैं। रामा साड़ी पैलेस के संचालक अनमोल गर्ग ने बताया कि इन दिनों शहर की अधिकांश दुकानों पर सेल का आयोजन किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद उनकी सेल के प्रति बाहकों का उत्साह और विश्वास अलग ही देखने को मिल रहा है। उन्होंने मरोया दिलाया कि भविष्य में भी बाहकों को सर्वोत्तम गुणवत्ता, नवीनतम डिजाइनों और उचित मूल्य पर उत्पाद उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने बताया कि स्टॉक वलीयरस सेल में लक्ष्मीपति, विशाल, सुभाष और ताना-बाना जैसी प्रतिष्ठित ब्रांडों की साड़ियों के साथ-साथ आधुनिक फैशन के अनुरूप मोडल सिल्क, एच.ओ. सिल्क, कांजीवरम सिल्क, कानन सिल्क, प्योर शिफॉन, बंडेज, लिनेन, भागलपुरी सिल्क, सुपरनेट, डिजिटल प्रिंट, पटोला, इक्कात सिल्क, जामदानी, पोर्जेशन सिल्क एवं डिजाइनर साड़ियों का विशाल संग्रह आकर्षक रियायतों द्वारा पर उपलब्ध है।

युवाओं ने गोवंशों को गोशाला भेजा

बहल। कस्बे की सड़कों पर लंबे समय से घूम रहे आवारा गोवंश को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के लिए युवाओं ने अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले दिन छह गोवंश को पकड़कर गोशाला पहुंचाया गया। युवाओं की इस पहल का उद्देश्य सड़कों पर घूम रहे गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के साथ-साथ वाहन चालकों और राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा कम करना है। अभियान के दौरान अनुज शर्मा, अनिल, हितेश, मुकेश नायक, मुकेश शर्मा, मनीष गोस्वामी, संदीप लखेर, रोकी और मुरारी जगज्ज सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। गोशाला की टीम ने भी गोवंशों को सुरक्षित तरीके से पहुंचाने में सहयोग दिया। अनुज शर्मा ने बताया कि कस्बे में आवारा घूम रहे गोवंशों को गोशाला पहुंचाने का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बीके स्कूल में करवाई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

बवानीखेड़ा। बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कलावाच हरिओम बाबा की देखरेख में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रध्यापकत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त, 2026 को नशा मुक्त युवा फोर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। उसी कड़ी में कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने से नो टो ड्रग्स तथा से नो टो तंबाकू जैसे विषयों पर अपनी कला के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए युवाओं को नशा मुक्त रहने का संदेश दिया। वरिष्ठ वर्ग से कक्षा 12वीं की छात्रा कर्तिर् ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय तथा कक्षा 11वीं की छात्रा अलीशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग से सातवीं कक्षा की छात्रा परी ने प्रथम, कक्षा छठी से जानवी द्वितीय एवं कक्षा आठवीं से खनक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।



तकनीकी ज्ञान होना जरूरी : सत्यनारायण

लोहारू। लोहारू थाना प्रमारी सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि मोबाइल और तकनीक के युग में व्यक्ति को जहां तकनीकी ज्ञान होना काफी जरूरी है वहीं संस्कारवान शिक्षा की उससे भी अधिक जरूरत है। संस्कारों और मानवीय मूल्यों से ही मनुष्य महान बनता है। वे उपमंडल के गांव सोहंसारा स्थित एमएलएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 28वें वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बोर्डो विजय प्रभा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय निदेशक पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मानसिंह शर्मा, चेरमेन हीरालाल मिश्रा, प्राचार्य अनिल वशिष्ठ, सह प्राचार्य रविन्द्र वशिष्ठ, प्रवीण जांगड़ा एवं सभी अध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मंच संचालन ज्योति यादव व नवीन योगी ने किया। कार्यक्रम में बच्चों ने अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां देकर अभिभावकों का मनमोह लिया। सभी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले व इस वर्ष 10+2 व 10वीं बोर्ड कक्षाओं में मेरिट प्राप्त करने वाले बच्चों को मुख्य अतिथि और वशिष्ठ अतिथियों द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।



मानव जीवन अनमोल

परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को संदेश दिया कि मानव जीवन अत्यंत अनमोल है। मृत्यु निश्चित है, समय अनिश्चित है और कर्मों का विधान अटल है। इसलिए मनुष्य को अभिमान, स्वार्थ और विषय-विकारों में जीवन गंवाने के बजाय सत्संग, नाम-स्मरण, माता-पिता की सेवा, सदाचार, परोपकार और परमार्थ के मार्ग पर चलना चाहिए। यही मानव जीवन की सार्थकता और वास्तविक आत्मरक्षा का मार्ग है।

सुख में भी परमात्मा का स्मरण करना चाहिए

परमसंत हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि मनुष्य परमात्मा को जितना दुःख के समय याद करता है, यदि उसके आधे से भी आधा समय सुख में परमात्मा के स्मरण में लगा दे तो जीवन में दुखों का प्रभाव बहुत कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब कर्मों की मार पड़ती है, तब मनुष्य को सब कुछ याद आने लगता है। इसलिए परेशानी आने की प्रतीक्षा करने के बजाय सुख में ही परमात्मा का स्मरण करना चाहिए और भक्ति का कदम ही परमात्मा का स्मरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि काल की व्यवस्था के कारण जीव को अपने पिछले जन्मों की स्मृति नहीं रहती।

खबर संक्षेप

बिजली जनसेवा का माध्यम व्यापार की वस्तु नहीं: दलीप भिवानी। निजीकरण तुरंत बंद करने, एग्री डिस्कॉम का फैसला वापस लेने, बिजली को जनसेवा माने जाने व सरकारी डिस्कॉम को मजबूत करने जैसी जनहित की मांगों के साथ कर्मियों की अन्य मांगों को लेकर आगामी 11, 12, 13 अगस्त को पूरे प्रदेश में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस कमेटी चरखी दादरी के जिला सचिव एवं नशामुक्ति संदेश यात्रा के आयोजक दलीप सांगवान ने हड़ताल को जायज ठहराने के साथ जनहित में बताया है।

सरकारी विभागों में रिक्त पदों को नियमित भर्ती से भरे सरकार : ऋषिपाल

चरखी दादरी। जननायक जनता पार्टी के जिला प्रभारी ऋषिपाल उमरवास ने प्रदेश सरकार से सरकारी विभागों में रिक्त पदों को नियमित भर्ती के माध्यम से भरने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को रोजगार को प्राथमिकता देते हुए खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए। अनुबंध व्यवस्था पर अत्यधिक निर्भरता के बजाय युवाओं को स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। ऋषिपाल उमरवास ने कहा कि महंगाई के साथ बेरोजगारी और रोजगार का मुद्दा भी गंभीर चिंता का विषय है।

बीआर स्कूल में दो दिवसीय सीबीएसई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ



चरखी दादरी। कक्षा प्रबंधन विषय पर शिक्षकों को प्रशिक्षण देते सीबीएसई प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज >>> हिसार

हरिभूमि न्यूज, चरखी दादरी। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंड्री स्कूल सेहलंग में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और शिक्षण कौशल को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय सीबीएसई आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सीबीएसई प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान, चेयरमैन हरिश शर्मा, वाइस चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज, प्राचार्या ज्योति भारद्वाज तथा बिरही कलां शाखा के प्राचार्य सज्जन कुमार शर्मा ने मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रचलन के साथ की। प्रशिक्षण का मुख्य विषय कक्षा प्रबंधन रहा। सीबीएसई प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान ने शिक्षकों को प्रभावी कक्षा प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सफल शिक्षक विद्यार्थियों

को केवल विषय का ज्ञान नहीं देता, बल्कि सकारात्मक वातावरण तैयार कर उनकी सहभागिता, अनुशासन और सीखने की क्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों के व्यवहार को समझने, अनुशासन बनाए रखने, समय के प्रभावी प्रबंधन, विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण वातावरण तैयार करने से संबंधित विचारों को शिक्षक प्रशिक्षण की अहम भूमिका है। प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि प्रभावी कक्षा प्रबंधन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फुवर्मेंट ट्रस्ट मार्केट, मिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी धैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- छ. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
मिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फुवर्मेंट ट्रस्ट मार्केट, मिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

जनता पर महंगी बिजली का बोझ डालने का षड्यंत्र रच रही सरकार : नारायण निजीकरण व स्मार्ट मीटरों के खिलाफ बिजली कर्मचारियों का आंदोलन तेज



मिवानी। मांगों को लेकर घरने पर बैठे बिजली कर्मचारी व इंजीनियर।

तीसरे दिन भी जारी रहा कर्मचारियों का धरना

लोहारू। बिजली निगम कार्यालय परिसर में तीसरे दिन भी कर्मचारी संगठनों का धरना जारी रहा। शनिवार को तीनों संगठनों के ब्लाक प्रधान अध्यक्ष मंडल में शामिल रहे। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के ब्लाक प्रधान ने धरने को समर्थन दिया तथा मुख्य वक्ता के रूप में ऑल हरियाणा पॉवर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के सीसी मेम्बर विजय जांगड़ा पहुंचे। विजय जांगड़ा ने धरने पर बैठे लोगों को स्मार्ट मीटरों से होने वाले आर्थिक नुकसान की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि एग्री डिस्कॉम बनने से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया और कहा कि यदि सरकार ने इन योजनाओं को वापिस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। विजय जांगड़ा ने कहा कि सरकार पहले भी खेल, भेल और बीएसएनएल जैसे सरकारी उपक्रमों को बेच चुकी है तथा अब बिजली बोर्ड को बेचने की तैयारी चल रही है। ये योजनाएं आम आदमी को आर्थिक बोझ के नीचे दबा देंगी।



लोहारू। लोहारू में धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता।

प्रवक्ता व संयुक्त संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ नेता एसडीओ नारायण प्रकाश ने की। इस दौरानकर्मचारी जत्थे इस दौरान बापोड़ा, दिनोद, देवसर, हालुवास, निमडीवाली, कितलाना, बामला, चांग,

कालुवास, मिताथल, तिगड़ाना, प्रेमनगर पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया और बिजली निगमों व सार्वजनिक संपत्तियों को बचाने की इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने



बाढ़ड़ा। बिजली कार्यालय परिसर में आयोजित रोष प्रदर्शन को संबोधित करते राज्य सचिव राजकुमार सांगवान। फोटो : हरिभूमि

बिजली कर्मचारियों ने किया रोष प्रदर्शन

बाढ़ड़ा। उपमंडल मुख्यालय पर संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को कस्बे के जुहई रोड स्थित बिजली कार्यालय परिसर में बिजली कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर रोष प्रदर्शन किया। कर्मचारियों को धरना देने पहुंचे श्योराण खाप अध्यक्ष बिजेन्द्र बैरला ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी कि उनकी मनलमानी को अब सहन नहीं किया जाएगा और प्रदेश के कृषि क्षेत्र में स्मार्ट मीटर व बिजली कास निजीकरण किसी सूत्र में स्वीकार नहीं करेंगे। उपमंडल स्तर पर संचालित रोष प्रदर्शन की अध्यक्षता एचएसईबी वर्कर्स यूनियन के प्रधान अरविंद खिल्लर, एचएपीसी वर्कर्स यूनियन के प्रधान सुभाष द्वारका व एससीबीसी यूनियन के प्रधान विनोद जेवली ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम का संचालन प्रविंद भांडवा और रमेश गोपी ने किया। राज्य वित्त सचिव राजकुमार सांगवान ने कहा कि आगामी 11.12 और 213 अगस्त को प्रस्तावित हड़ताल को लेकर कर्मचारी जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों द्वारा गांव-गांव जाकर एग्री डिस्कॉम, स्मार्ट मीटर, बिजली क्षेत्र में निजीकरण तथा गुरुग्राम पेराल लार्डसेस योजना सहित अन्य मुद्दों के बारे में आमजन को जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र में किए जा रहे बदलावों का प्रभाव आम उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है, इसलिए कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन को भी इन नीतियों को जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कर्मचारियों से हड़ताल को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

का संकल्प लिया। हरियाणा पॉवर इंजीनियरिंग एसोसिएशन ने प्रवक्ता एसडीओ नारायण प्रकाश ने कहा कि सरकार बिजली विभाग को कॉर्पोरेट धरानों के हाथों बेचने की बड़ी साजिश रच रही है। एग्री

डिस्कॉम का गठन और प्राइवेट पेरैलल लार्डसेस जारी करना सीधे तौर पर सार्वजनिक बिजली व्यवस्था को ध्वस्त करने और आम जनता पर महंगी बिजली का बोझ डालने का प्रयास है।

कांवड़ शिविर में रक्तदान के प्रति किया जागरूक



चरखी दादरी। जागरूक करते रक्तवीर राजेश सोनी।

चरखी दादरी। गांव सांवड़-कोहलवास स्थित श्री बाबा सम्राध वाला धाम पर शिवरात्रि पर्व को लेकर कांवड़ियों के लिए सेवा शिविर लगाया गया है। शिविर में कांवड़ियों के ठहरने, भोजन, पेयजल और विश्राम को सुविधित व्यवस्था की गई है। एडवोकेट श्यामलाल, पूर्व सरपंच राजू सहित जोगी पाना के लोग व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए महिलाओं द्वारा भजन-कौतन और धार्मिक गीत प्रस्तुत किए जा रहे हैं। शाम को भगवान शिव की भक्ति से जुड़े झांकियों सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। शुक्रवार को रक्तवीर परिवार के संयोजक राजेश सोनी शिविर में पहुंचे। वह हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा कर रहे हैं। रक्तवीर परिवार की ओर से यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर रक्तदान के प्रति सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वामांगों को रक्तदान के महत्व और इसके लाभों की जानकारी देते हुए भातियों को दूर करने का प्रयास किया गया।

मिवानी की बहू मंजू ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

- शादी के बाद सपनों को अधूरा छोड़ने वाली महिलाओं को दिया सफलता का संदेश: मनीष

हरिभूमि न्यूज >>> मिवानी

खेलों की दुनिया में मिवानी की बेटियों और बहुओं के शानदार प्रदर्शन के बाद अब शहर की बहू ने शिक्षा क्षेत्र में मिवानी का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। बैक कॉलोनी निवासी मनीष कुमार की पत्नी मंजू देवी ने कंप्यूटर साइंस विषय में अपनी पीएचडी की डग्री सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। उन्होंने यह उपलब्धि रोहतक की बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी से हासिल की है। वर्तमान में मंजू तोशाम के महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं और युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ रही हैं।



डॉ. मंजू के पति मनीष कुमार ने अपनी पत्नी की उपलब्धि पर व्यवत किया

पीएचडी की उपाधि हासिल करने वाली मंजू देवी मंजू की बड़ी सफलता पर उनके परिवार में खुशी का माहौल है। इस मौके पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मंजू ने कहा कि पीएचडी की पढ़ाई पूरी करना और डॉक्टर की उपाधि हासिल करना उनका हमेशा से सपना था, महिला के लिए विवाह के बाद अपनी पढ़ाई को जारी रखना आसान नहीं होता, लेकिन लक्ष्य मुश्किल नहीं रहता। वहीं डॉ. मंजू के पति मनीष कुमार ने कहा कि उन्हें अपनी पत्नी की उपलब्धि पर बेहद गर्व है।

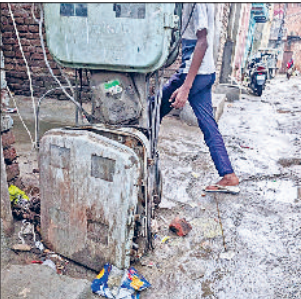
18 घंटे से क्षेत्र में बिजली कटौती, आमजन को हो रही परेशानी

निगम ने पोल पर जमीन से सटाकर लगा रखे मीटर

बरसात आते ही कर देते हैं सप्लाई बंद

हरिभूमि न्यूज >>>मिवानी

शहर के हरजीकान चौक, पुराना पटवार खाना, चूहड़सिंह बाजारी, हालू मोहल्ला व मनाना पाना क्षेत्र में जलभराव से जनजीवन बेहाल है, जैसे ही बारिश शुरू होती है बिजली निगम इन क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद कर देता है और जब फोन करके निगम अधिकारियों व कर्मचारियों से बिजली संबंधी पूछा जाता है तो उनका अजीबो गरीब



जवाब होता है कि क्षेत्र में बरसाती की पानी निकल जाएगा तब बिजली सप्लाई चालू होगी। जलभराव के चलते उक्त क्षेत्रों में 18 घंटे से बिजली सप्लाई बंद है। क्षेत्रवासियों ने निगम अधिकारियों व कर्मचारियों

मिवानी। हरजीकान चौक क्षेत्र में बिजली निगम ने पोल पर जमीन से सटाकर लगाए मीटर।

पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश में आ रही परेशानी

क्षेत्रवासी अशोक शर्मा, नरेश, नरेंद्र, राजेंद्र, सतबीर, मटल, प्रवीण आदि ने बताया कि प्रशासन को मानसून के आने की पूर्व जानकारी थी, फिर भी जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं की। पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख इलाकों हड़जीकान चौक, पुराना पटवार खाना, चूहड़ सिंह की बाजारी, हालू मोहल्ला, मानान पाना में जलभराव हो गया है, जैसे ही बारिश शुरू होती

है, बिजली निगम इन क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद कर देता है। समस्या को लेकर अधिकारियों से संपर्क किया तो उनका जवाब और भी चौकाने वाला था। अधिकारियों का तर्क है कि क्षेत्र में बिजली के मीटर जमीन से सटाकर पोल पर लगे हुए हैं, जलभराव के कारण क्षेत्र में करंट की संभावना रहेगी, जब तक पानी नहीं निकलता बिजली सप्लाई पूर्णरूप से बंद रहेगी।

ठप थी। हैरानी की बात है कि निगम बिजली बिल जमा करने के लिए तुरंत मैसेज भेज देता है, लेकिन बिजली कटौती कर और किस इलाके में होगी इसकी कोई सूचना उपभोक्ताओं को नहीं दी जाती।



पानी से भरा मैदान भी नहीं रोक पाया खिलाड़ियों का जोश, रग्गी ट्रायल में दिखाया दमखम

चरखी दादरी। स्थानीय शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी में जिला स्तरीय रग्गी ट्रायल का आयोजन किया गया। मैदान में पानी भरा होने के बावजूद खिलाड़ियों का उत्साह कम नहीं हुआ और विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने पूरे जोश के साथ ट्रायल में हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा को प्रदर्शन किया। कोच राजेश तक्षक ने बताया कि अंडर-15 बॉयज वर्ग में लक्ष्मी कासनी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम में गर्वित, अंश शर्मा, हितेन कुमार और शिखर शामिल रहे। पंक्ति की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस टीम में योगित, ध्रुव, सार्थक और कुशल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। अंडर-18 बॉयज वर्ग में भी खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कप्तान अंजुन की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। टीम में केशव, शिवांश, सुमित और कार्तिक शामिल रहे। कप्तान हिमांशु की टीम दूसरे स्थान पर रही, जिसमें यशेश, लक्ष्य, शुभम और मयंक ने खेल प्रतिभा दिखाई। इस दौरान कोच राजेश तक्षक, महिला कोच सुदेश तक्षक आदि भी मौजूद रहे।



एसआईआर अभियान को लेकर कांग्रेस ने तेज की बूथ स्तर की तैयारी

चरखी दादरी। सोनीपत स्थित एक फार्महाउस में एसआईआर अभियान को लेकर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस की अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेशभर के जिला अध्यक्षों और बीएलए ने भाग लिया। बैठक में दादरी कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुशील ने भी भागीदारी की। बैठक में मतदाता सूची से जुड़े विषयों और पात्र मतदाताओं के मताधिकार की रक्षा को लेकर संगठन की भूमिका पर चर्चा की गई। दादरी कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुशील ने बताया कि बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि संविधान से नागरिकों को मिला मताधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है। कांग्रेस हर पात्र मतदाता के वोट के अधिकार की मजबूती से रक्षा करेगी। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सीएनपी नेता मुकेश सिंह हुड्डा, पूर्व सांसद बिजेन्द्र सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उदयमान, धर्मपाल सिंह मलिक, चौधरी वीरेंद्र सिंह डुमरखा और अशोक तंवर सहित वरिष्ठ नेताओं ने बैठक को संबोधित किया। जिला कांग्रेस कमेटी चरखी दादरी के अध्यक्ष सुशील ने कहा कि एसआईआर अभियान लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिप चेयरपर्सन पद पर प्रजापति समाज की महिला की ताजपोशी: रमेश टांक

- गीता सुरेन्द्र उड़ाना की नियुक्ति राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रजापति समाज की बढ़ती भागीदारी का संकेत

हरिभूमि न्यूज >>> मिवानी

गीता सुरेन्द्र उड़ाना प्रजापति के करनाल जिला परिषद की चेयरपर्सन निर्वाचित होने पर पूरे हरियाणा के प्रजापति समाज में खुशी की लहर है। यह उपलब्धि इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि हरियाणा के इतिहास में पहली बार प्रजापति समाज की किसी महिला को जिला परिषद की चेयरपर्सन बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। यह बात ऑल इंडिया कुम्हार प्रजापति पॉलिटिकल फेडरेशन के संस्थापक निदेशक एवं भारतीय प्रजापति हरीज ओगैनाइजेशन के सह संस्थापक



प्रजापति रमेश टांक ने कही। उन्होंने गीता सुरेन्द्र उड़ाना प्रजापति को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। प्रजापति रमेश टांक ने कहा कि इससे पहले मिवानी नगर पालिका की अध्यक्षा के रूप में मंजू प्रजापति ने भी समाज का गौरव बढ़ाया था। अब जिला परिषद की चेयरपर्सन के रूप में गीता सुरेन्द्र उड़ाना की उपलब्धि राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रजापति समाज की बढ़ती भागीदारी का महत्वपूर्ण संकेत है।

एचडी पब्लिक स्कूल में हुई पीटीएम विद्यार्थियों की प्रगति पर किया मंथन

चरखी दादरी। गांव बिरौहड़ स्थित एचडी पब्लिक स्कूल में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए सत्र के द्वितीय अभिभावक-अध्यापक मिलन समारोह (पीटीएम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, व्यवहार, नियमितता तथा सर्वांगीण विकास को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सार्थक संवाद स्थापित करना रहा। पीटीएम में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों तथा विद्यालय में उनकी प्रगति के संबंध में शिक्षकों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की विषयवार प्रगति, कक्षा में सहभागिता, गृहकार्य, अनुशासन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में रुचि के बारे में अभिभावकों को अवगत कराया। विद्यार्थियों की कमजोरियों को दूर करने तथा उनकी प्रतिभा और क्षमताओं को निखारने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए। विद्यालय के निदेशक बलराज फोगाट ने कहा कि विद्यार्थियों के उच्चतर भविष्य के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के विकास में परिवार और विद्यालय दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।



चरखी दादरी। एचडी स्कूल में आयोजित पीटीएम में शामिल अभिभावक व शिक्षक।

नए लघु सचिवालय में लगाए बरगद के पौधे

चरखी दादरी। पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था खुशियों की दीवार की ओर से चिड़िया रोड स्थित नए लघु सचिवालय परिसर में 8 फीट ऊंचे बरगद के पेड़ लगाए गए। यह पौधारोपण उपायुक्त मनदीप कौर के मार्गदर्शन में किया गया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि बरगद का पेड़ भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी उपयोगी है। खुशियों की दीवार के सदस्य मनजीत फोगाट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं का मिलकर कार्य करना सराहनीय पहल है।